NATIONAL FEDERATION OF TELECOM EMPLOYEES (BSNL)
MADHYA PRADESH, BHOPAL
नैशनल फेडरेशन आफ टेलीकॉम एम्प्लाईज (बी.एस.एन.एल.)
मध्यप्रदेश परिमंडल, भोपाल
रजि.नं.-4906

हबीब खान
परिमंडल सचिव
मो.नं.-9425015786,

पत्राचार: 2/97, पी. एण्ड टी. कॉलोनी,
बैरसिया रोड, भोपाल (म.प्र.)
दूरभाष क्र.: 0755-2740888

क्रमांक : N.F.T.E-15/16/09

दिनांक 16-03-2016

टी.टी.ए. रिजल्ट जारी हुए –

सच्चाई – एक्जामीनेशन 07.06.2015 को हुए।

रिजल्ट – 31.08.2015 को जारी हुए।

240 पोस्ट थी, पास हुए मात्र 9

सबसे पहले तुरंत श्री हबीब खान सी.एस. ने सीजीएमटी को पत्र लिखा कि– 7 गलत सवालों के बदले 7 नम्बर देकर पास किया जाये। सीजीएमटी साहब से श्री हबीब खान एवं श्री के.एस. ठाकुर ने मीटिंग ली। सीजीएमटी साब से श्री हबीब खान एवं श्री के. एस. ठाकुर ने मीटिंग ली।

सीजीएमटी साब कोर्ट केस का हवाला देते हुए देने से असमर्थता व्यक्त की। कोर्ट के निर्णय की कापी हमें दे दी गई।

हमने 7 नंबर देने को कहा तो उन्होंने 7 नंबर देने से मना किया एवं दिल्ली से दिशा–निर्देश लेने हेतु पत्र लिखवाया।

इस बीच अन्य यूनियन के नेताओं ने प्रचार चालू किया कि इसमें अब कुछ नहीं होगा, दबी जुबान से बोले कि चूंकि इसमें मात्र 1 नम्बर से श्री दिनेश यादव फेल हुए हैं और हम नहीं चाहते हतकि वे पास हो, इस कारण हम बिल्कुल प्रयास नहीं करेंगे, चाहे हमारे 50 मेम्बरों का नुकसान हो जाये। श्री के.एस. ठाकुर ने मेहनत कर अन्य सर्किल के रिजल्ट साईड पर देखें रातभर मेहनत कर उन्हें ये पता लगा कि आंध्रप्रदेश में दो गलत सवालों के बदले 2 नंबर सभी को देकर रिजल्ट जारी किया है। ये जानकारी पूरे मध्यप्रदेश के कर्मचारियों को पता चली, सभी ने मुझसे सम्पर्क किया, उसमें दूसरी यूनियन के भी सदस्य थे।

उनके मेम्बरों ने कहा कि हमारी यूनियन श्री दिनेश यादव जबलपुर के कारण खामोश है, आप ही हमारी नैया पार लगवा सकते हो, श्री हबीब खान ने आंध्रा का रिजल्ट लगाकर सीजीएमटी को पत्र लिखकर 7 नं. की मांग की।

सीजीएमटी साहब ने आंध्रा का उदाहरण देने के बाद भी 7 नंबर देने से मना किया। हमने अपने दिल्ली के नेताओं से इस सम्बन्ध सहायता हेतु संपर्क किया, जिस पर आश्वासन प्राप्त हुआ कि शीघ्र ही निर्णय कर्मचारी हित में होगा। मामला पकते देख अन्य यूनियन ने भी अपने मेम्बरों को दिखाने के लिए बेमन से पत्र लिखवाया। पत्र का जबाव हमारे पक्ष में आया, फिर भी सीजीएमटी साहब ने 7 नं. देने से मना कर दिया।

एनएफटीई यूनियन के अन्य मांगों के साथ इस मांग को भी लेकर 5 फरवरी को सर्किल आफिस के सामने लंच में जोरदार नारेबाजी की, मीडिया, प्रेस कवरेज शानदार रहा।

हमने दिल्ली के नेताओं से निरन्तर संपर्क बनाये रखा था, उनको पूरा भरोसा था कि अबकी बार सही निर्देश आपके पक्ष में जायेंगे।

इस बीच 15 फरवरी 2016 को हमने पत्र लिखकर एससी/एसटी के रिजल्टी की समीक्षा करने को कहा। नियम की जानकारी दी दिनांक 01.03.2016 को 2लोग पास हुए 26.02.16 को दिल्ली से पुनः पत्र जारी हुआ, हमने दिल्ली के नेताओं से कहा था कि पटना जाने से पहले पत्र जारी करवा के जाएं और सही पत्र जारी हुआ। दूसरों की उपलब्धि को अपनी बताकर वे ढिंढोरा पीटने लगे, झूठ के पैर नहीं होते।

अब रिजल्ट जारी हो गया है। 25 लोग टी.एम. से टी.टी.ए. (जे.ई.) बन गये हैं, सभी को बधाई।

ये झूठ बोलने वालों के झन्नाटे पर तमाचा है। उल्लेखनीय है कि विगत वर्ष श्री दिनेश यादव अन्य यूनियन की गलत नीतियों से दुःखी होकर सैकड़ों सदस्यों के साथ एनएफआई में जुड़े हैं, वे एनएफटीई के ए.सी.एस. हैं, श्री इस्लाम अहमद साहब और श्री सिंह साहब एवं एनएफटीई के बहादुर साथियों का बहुत-बहुत धन्यवाद। 10.05.16 को एनएफटीई को वोट देकर भारी मतों से विजयी बनायें। एनएफटीई जिन्दाबाद, हबीब खान सी.एस. एनएफटीई. – के.एस. ठाकुर ए.सी.एस. एनएफटीई भोपाल म.प्र. 16.03.2016

हबीब खान

हबीब खान
परिमण्डल सचिव